सागर में लहरें क्यों उमड रही हैं ?!!

इस विशाल नीले सागर में
आते वक्त मन में कुछ
अलग सा चीज़ आ रहा है
पता नहीं ऐसे क्यूँ हो रहा है

सागर की तरह मेरी मन भी
अशांत है; और जैसे
सागर में लहरें उमड रही हैं
वैसे मेरी मन में भी है

सागर में लहरें क्यों उमड रही है
ये चीज़ का राज़ किसी
को भी पता नहीं
शायद पता तो बोलता नहीं.

शायद सागर ने किसी
चीज़ माँग रही थी
या फिर हमसे कुछ बोल रही है
लेकिन कोई सुनता नहीं

देखने में बहुत सुन्दर है
लेकिन पास जाते तो
बहुत खतरनाक है ये सागर
मनुष्य भी ऐसा है

बाहर से वो बहुत साफ है
लेकिन मन में बुराईयों का पहाड है
ऐसे मनुष्य को देखकर
शायद सागर भी पागल हो गई

सागर में लहरे उठ रही है
शायद समुद्र ~~ने~~ हमको
बता रही है कि हम
उसको मलिन कर रही है

लेकिन हम ये नही समझता
मलिन करते करते एक
दिन उसी सागर में
डूबे हम मर जायेंगी

उमड़ते उमड़ते ये लहरें हमसे
बता रही थी कि जाओ
पहाड़ से सब छोड़कर
अपनी जान बचाओ

लेकिन हमने नहीं सुना
जब तक नहीं सुना
तब तक वो बारिश में
हमको सब छोड़ना पड़ा

जब बारिश में हम सब
खो दिया तो उसी
सागर की बच्चे आकर
हमारी जान बचाई

उस दिनों तक हम
सागर में क्या क्या
चीज़ फेंकती थी
वो सब सागर ने वापस कर दिया

अब भी लहरें उठ रही है
अब भी वो कुछ कह रही है
लेकिन कौन सुनता उसका स्वर
कौन समझता वो शब्द को

इस सागर में आकर
इस उमडती लहरों को
देखते देखते अचानक
मन को शांती मिल रही है

कितनी खूबसूरत हो ये
उतनी भी खतरनाक है ये
लेकिन सब इसे अच्छा
समझकर साथ खेलता है

जिंदगी भी ऐसा है
बहुत खतरनाक है
लेकिन हम उसके साथ
खेलते है घूँमते है

लेकिन खेलते खेलते
वो हमको खा जाता है
फिर भी इसका भूख
नही मरेगी, तलाशा करेगी

हम सबने ये सागर को
धोखा दिया है और
इसको धोखेबाज़ कहता है
शायद इसलिए ये लहरें उठ रही है

इन उठते लहरों में
खेलते मिलते हम जी रहा है
ये लहरें हमारा दोस्त बन
गई है और हमें खुश करते है

इस धरती का नीले कपड़े
की तरह है ये सागर
उस कपड़े की सुन्दर रत्न
है ये साड़ी मछलियाँ

लेकिन हर साल हम
इस रत्नों को चीन रही है
या फिर हम इस सुन्दर
कपड़े को फाट रही है

शायद हमारी ये बुरी
काम से समुद्र रो रहा है
इसकी रोने का तरीका
होगी ये उमड़ते लहरें

इसकी आँसु को हम नहीं
देखते है मगर हम
इस आँसु में खेलकर
मजा कर रहे है

ये सागर को भी जीवन है
उसको भी दिल है
शायद इसका धड़कन होगी
ये उमड़ते लहरें और वो शब्द

शायद उस शब्द को
पीछे करके करके चलेगी
तो हमको उस समुद्र का
सुन्दर और कोमल चेहरे देख सकता

लेकिन किसने सुनेगा वो स्वर
किसने जायेगा उसके पीछे
कौन दिखेगा वो प्यारा चेहरा
सब को बस वक्त कि कमी है न ?

पैसे के पीछे भागते ये दुनिया
कि ज़िन्दगी भी इस लड़ाई जैसा है
हर वक्त पैसे अड़ते रहते है
कुछ और केलिए वक्त नहीं है

आज के जमाने को सब है
पैसा है, गाड़ी है, घर है
काम है, खाना है सब है
बस वक्त की कमी है

ऐसी हाल में कौन
कोशिश ये सब
अब किसीने सागर को
देखता भी नहीं है

इसलिए शायद ये लहरें
उमड़ रही हैं और
बोल रहा है कोई तो
आओ और मुझसे दोस्ती बनाओ

ये सागर हमें सब देता है
बहुत लोग ये सागर के
वजह से रोज़ जी रहा है
लेकिन बदले में हमने क्या दिया ?

कुछ नहीं बस बहुत मलिन
कर दिया और कर रही है
अपनी जान बचाने केलिए
बोल रही है ये बिचारा सागर

लेकिन कोई नहीं सुनता
इसलिए लहरों से कुछ कहते हैं
वो भी नहीं देखता
देखा तो भी नहीं समझता

हमने किसीको कुछको
भी नही समझता
लेकिन अपने आपको
बडी समझदार मानता है

ईश्वर ने सबसे प्यार
करनेकेलिए सिखाया
लेकिन हमने उसको
सबसे नफरत करके दिखाया

ईश्वर ने हमारेलिए सब
कुछ दिया और
दूसरों को देना सिखाया
हमने दूसरों से लेकर दिखाया

समुद्र सिर्फ हमारे लिए नही है
उसमें और कोई जीव है
लेकिन हम सिर्फ हमारा मानकर
समुद्र से बहुत कुछ छीन लिया

शायद इस जीवन को
बचाने के लिए सागर ने
उसकी लहरें अड़ रखी है
लेकिन हम फिर भी नहीं समझता

दिन-रात भर ये लहरें
अड़ रहते हैं लेकिन
क्यूँ ? ये सवाल का
जवाब किसके पास है ?

हर सवाल का जवाब आज
सबको जानता है
लेकिन इसका जवाब कौन
बोलेगी मुझसे ?

कोई तो बताओ मुझे
ये लहरें क्यूँ अड़ रखी है ?
किसीको भी नहीं जानता
जानती हो फिर भी नहीं बताओगा

ये तो कोई बड़ा सवाल है क्या?
शायद शायद कहकर
मैं थक चुका हूँ, लेकिन
क्या करूँ किसको भी नहीं जानता

ये लहरों को देखकर
उससे ही मैं पूँछ रहा हूँ
लेकिन वो भी कैसे
वापस जा रहा है

शायद ये सवाल सुनकर
वो भी थक गई होगी
या फिर उसको भी नहीं
जानती होगी इसका जवाब

भगवान ने ये सागर बनाई
सिर्फ उसको जानता
इसका राज़ उसके
पास है सारी जवाब

शायद इस समुद्र हमें
उसके खरीब बुला रही है
इसमें डूबने केलिए
इसके एक होने केलिए

सवाल तो एक है
सागर में लहरें क्यों उमड रही है
लेकिन इसका जवाब
तो बहुत है

लेकिन इनमें से सच्च क्या है
कुछ भी सच्च है क्या?
या फिर सब गलत है?
किसको जानता?

मेरी एक सवाल को
बहुत जवाब मिला लेकिन
अब भी एक सवाल बाकि है
सागर में लहरें क्यों उमड रही है?!!